डॉनल्ड का आविष्कार

"Edited, Printed and Published by Aroon Purie for Living Media India Ltd., 316 Competent House, Connaught Place, New Delhi 110001, under licence from The Walt Disney Co., USA, issued through F&D Merchandising Co., 45-15 Barnett Avenue, Long Island City, New York 11104, and printed at Thomson Press (India) Ltd., Faridabad © 1993 The Walt Disney Co., USA"

अंकल डॉनल्ड, क्या आप खुश नहीं हैं?
आपके दोस्त को इतना बड़ा सम्मान मिला!
जाइरो मेरा दोस्त जरूर है.. पर इतना काबिल नहीं है कि उसे यह सम्मान दिया जाए...!
क्यों? उनके मुकाबले का आविष्कारक कौन है शहर में?
बल्कि यह सम्मान तो उन्हें बहुत पहले मिल जाना चाहिए था..
मिलता भी कैसे? उसके ज्यादातर आविष्कार तो टांय-टांय फिस्स हो जाते हैं! उससे अच्छे आविष्कार तो मैं कर लूं...
लो... सुनो इनकी बात...! हो-हो-हो-हो!
मजाक अच्छा कर लेते हैं आप!
मैं मजाक नहीं कर रहा. किसी नयी चीज के आविष्कार के लिए दिमाग और होशियारी की जरूरत होती है.
और आपके खयाल से दोनों आपके पास हैं?
अभी ये मेरी कद्र नहीं कर रहे. पर जल्दी ही जान जायेंगे कि मैं जाइरो से कम नहीं हूं.
पर साबित कैसे करूं? ... इसके लिए मुझे कोई ऐसा आविष्कार करना होगा जो आज तक न हुआ हो!

चीज का आविष्कार करूं ...?
तिर चीजों का आविष्कार तो
इसदाइन, बसु, भाभा और एडीसन
जैसे लोग पहले ही कर चुके हैं ...
बची-खुची छोटी-मोटी चीजों के आविष्कार जाइरो जैसे छुटभैयों ने कर दिये हैं ...! तालाब के किनारे जाकर सोचता हूं ...
ओह ... यहां मछलियां हाथ नहीं लगनेवालीं ... पूरा तालाब जंगली पौधों से पटा हुआ है ...
अंय ?
चलो चलें यहां से !
काफी दिनों से लोगों से इस तालाब के बारे में शिकायत सुन रहा हूं. जरा चल कर देखूं शायद ...
... अर्र्र्र ...!!
छपाक!
उफ! ये चिपचिपे जंगली पौधे यहां पड़ी गंदगी की वजह से पैदा होते हैं, चाहें तो इन्हें साफ भी किया जा सकता है. पर यहां चिंता कौन करता है ?
तरकीब! क्यों न किसी ऐसी चीज का आविष्कार किया जाए जिससे इन पौधों का सफाया हो जाए ...!

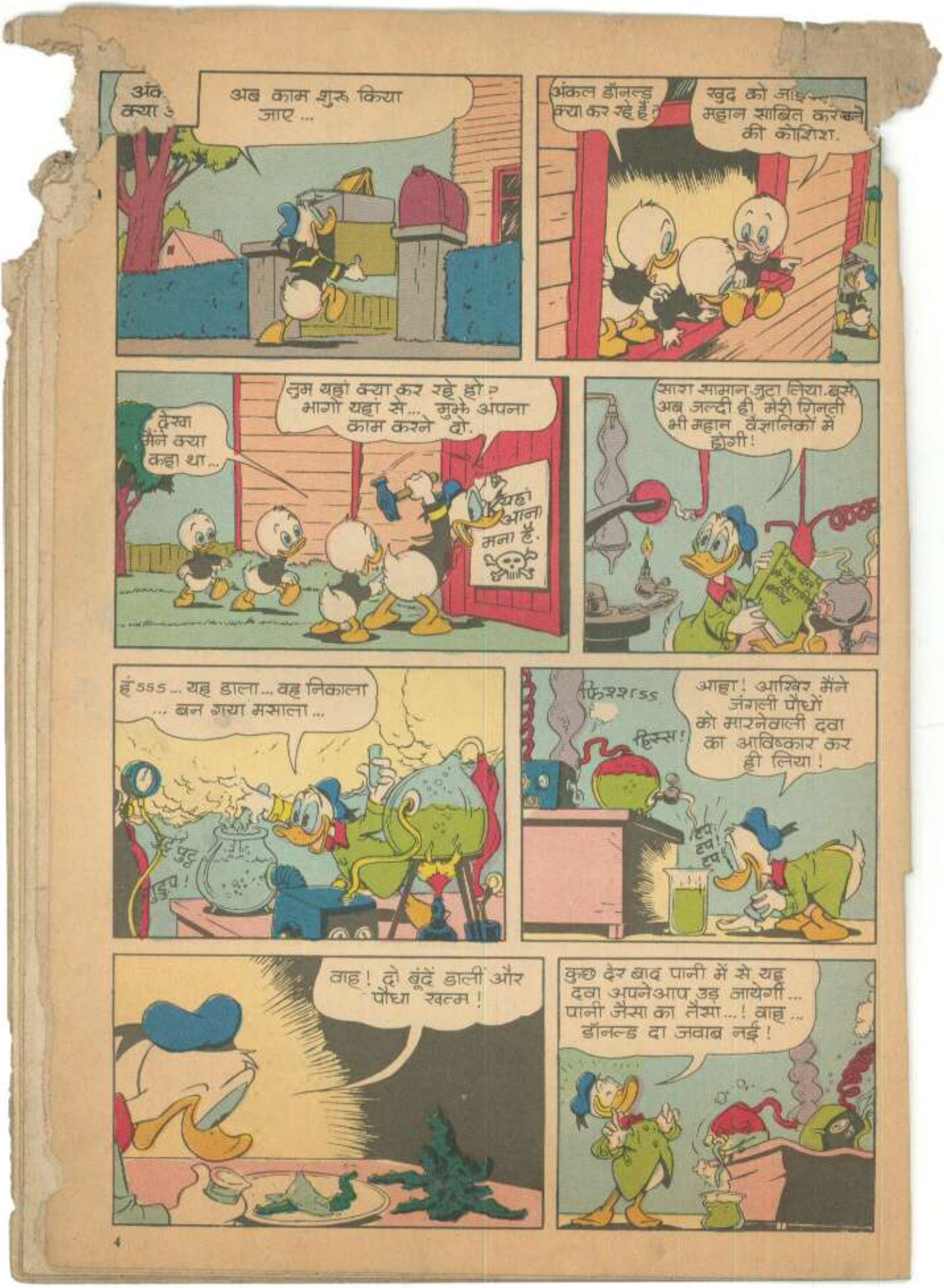

अब काम शुरू किया जाए ...
अंकल डॉनल्ड क्या कर रहे हैं ?
महान साबित करने की कोशिश.
तुम यहां क्या कर रहे हो ? भागो यहां से... मुझे अपना काम करने दो.
मैंने क्या कहा था ...
यहां आना मना है.
सारा सामान जुटा लिया. बस, अब जल्दी ही मेरी गिनती भी महान वैज्ञानिकों में होगी !
हं sss ... यह डाला ... वह निकाला ... बन गया मसाला ...
फिश्श्शss
हिस्स!
आहा ! आखिर मैंने जंगली पौधों को मारनेवाली दवा का आविष्कार कर ही लिया !
वाह ! दो बूंदें डालीं और पौधा खत्म !
कुछ देर बाद पानी में से यह दवा अपनेआप उड़ जायेगी ... पानी जैसा का तैसा ... ! वाह ... डॉनल्ड दा जवाब नईं !

न बाद यहां
से ऊंची मेरी मूर्ति
लगी होगी !
कल से इस तालाब में जंगली
का नामोनिशान नहीं रहेगा
और फिर...
काम खत्म! ... सच ... महान बनना बड़ी मेहनत का काम है !
जाबरी का बच्चा ... दाल-दाल कच्चा ... मैं तुझसे अच्छा ... तू मेरे सामने बच्चा ...! करूंगा तेरा घमंड चूर ... होऊंगा तुझसे ज्यादा मशहूर ...
उस रात, सपनों की दुनिया में –
महानतम आविष्कारक डॉनल्ड ... हमारे शहर के गौरव ...!
मैं अपनी खुशी शब्दों में बयान नहीं कर सकता ...!
सुबह ...
अब चलूं तालाब के किनारे. जनता हार-फूल ले कर मेरे स्वागत के लिए तैयार खड़ी होगी.
चलो बच्चो मेरे साथ ... मैं तुम्हें कुछ दिखाना चाहता हूं ...

जल्दी ही मालूम हो जाएगा... थोड़ा धीरज रखो.
मेरे दिमाग और होशि... का नमूना...
डक बर्ग पार्क
वह भीड़ देख रहे हो? आहा... यहां तो मेयर साहब भी मौजूद हैं. सब कुछ मन मुताबिक हो रहा है...
उफ! कितनी गंदी बदबू आ रही है!
कहीं मेयर साहब के कपड़ों की बदबू तो नहीं?
शायद किसी सभा में उन पर अंडे-टमाटरों की बौछार हुई हो!
अब तुम लोग देखोगे मेरी महानता का सबूत.
यहां से जल्दी वापस चलिए, अंकल!
वरना बदबू के मारे जान निकल जाएगी.
साथियो... कृपा करके ध्यान दीजिए...! मैं जानता हूं आप सब यहां क्यों आये हैं... तालाब की बदली हुई शक्ल देखने...! यह जानने कि यह महान काम किसकी बदौलत हुआ है...
यह कौन गला फाड़ रहा है?
मेरी बदौलत... मेरी बदौलत... मेरी बदौलत! यह चमत्कार है मेरे बेमिसाल आविष्कार का...! मेरा... यानी... महानतम आविष्कार डॉनल्ड डक का!
तो यह तुम्हारी कारस्तानी है?
जानते भी हो तुमने क्या किया है?
ह-हां...! ल-लेकिन बात क्या है?

डॉन
दबूदार गड्ढे में
बदल कर रह गया है!
और तुम...
...तुमने बड़ा कमाल किया
समझते हो...
मारा गया! यहां तो लेने के देने पड़ गये!
किया था?
मारो!
धर दबोचो!
कचूमर निकाल दो!
वह सब मैं बाद में बताऊंगा, बच्चो!
बाप रे! ये लोग तो नजदीक आते जा रहे हैं!
महान वैज्ञानिक जाइरो गियरलूस
गर्रर्र... नीचे उतर कमबख्त... अपने आविष्कार का 'इनाम' नहीं लेगा?
नहीं... उसकी जरूरत नहीं...
वैसे अंकल डॉनल्ड ने जो कहा था, कर दिखाया.
उन्होंने सच कहा था कि एक दिन वे आकाश छू लेंगे.
यह बात अलग है कि इस काम में भी उन्हें जाइरो की मदद लेनी पड़ी! हा-हा-हा!
समाप्त